खबर संक्षेप

कृषि छात्रों को मिला मृदा परीक्षण का प्रशिक्षण

शहडोल। पं. शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के कृषि विभाग, बीएससी एग्रीकल्चर ऑनर्स चतुर्थ वर्ष के छात्रों को 27 से 30 जनवरी 2026 तक सरकारी मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में विशेष व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण मृदा विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप कुमार राणा के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसमें प्रयोगशाला तकनीशियन श्री अभिलेष प्रताप सिंह का सहयोग रहा। प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को मृदा परीक्षण की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई। इसमें खेत से मृदा नमूना एकत्र करने, नमूनों की प्रोसेसिंग, पीएच मान, विद्युत चालकता, जैविक कार्बन एवं प्रमुख पोषक तत्वों की जांच की प्रक्रिया सिखाई गई। साथ ही मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार करने एवं किसानों को वैज्ञानिक सलाह देने की विधि पर भी प्रकाश डाला गया। प्रयोगशाला अधिकारियों द्वारा छात्रों को उपकरणों के संचालन, रसायनों के सुरक्षित उपयोग, अभिलेख संधारण तथा गुणवत्ता नियंत्रण एवं सुरक्षा नियमों की जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण में अनूपमा द्विवेदी, श्रद्धा मिश्रा, इंद्रमणि गुप्ता, इशिका वर्मा, प्रियंका सिंगराम, बिंदु मरावी, वर्षा यादव, स्नेहा सिंह, राजेश सिंह एवं संतोष सिंह शामिल रहे। प्रशिक्षण से छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ, जिसे उन्होंने अपने भविष्य के लिए उपयोगी बताया।

कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई साप्ताहिक जनसुनवाई

शहडोल। कलेक्टर में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति ने जनसुनवाई में शहडोल जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी तथा निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में ग्राम अटरिया निवासी नारायण तिवारी ने व्यवस्थापन पट्टा का नकल प्रदाय कराने, वार्ड नम्बर 10 धनपुरी निवासी रश्मि नामदेव ने रोजगार दिलवाने, ग्राम साखी निवासी रामरती चतुर्वेदी ने पीएम सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने, वार्ड नम्बर 13 शहडोल निवासी किरण सिंह ने बीपीएल कार्ड बनवाने, ग्राम अमलाई निवासी सौखीलाल कोल ने नाली निर्माण करवाने, ग्राम पडरी निवासी हीरालाल बैगा ने भूमि का नक्शा तरमीम करवाने, ग्राम नरगी निवासी सुखलाल बैगा ने सीमांकन कराने, ग्राम बलबहरा निवासी रीतू तिवारी ने रोजगार उपलब्ध कराने संबंधी आवेदन जनसुनवाई में दिए। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्राप्त अन्य आवेदनों को भी कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर प्रेषित कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में एसडीएम सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

बाणगंगा पार्क में स्टेट मॉनिटरिंग टीम का निरीक्षण

शहडोल। नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा स्वच्छता, हरित विकास एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को एक बार फिर सराहना मिली है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी के निर्देशन में शहर के प्रमुख स्थलों का सुव्यवस्थित रखरखाव सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में बाणगंगा स्थित स्वामी विवेकानंद पार्क में शहरी स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों का स्टेट मॉनिटरिंग टीम ने निरीक्षण किया। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत अमृत मित्र स्व सहायता समूह की महिलाओं को पार्क में वृक्षों की देखरेख, कटाई-छंटाई, सिंचाई, जल गुणवत्ता परीक्षण तथा वुमन फॉर ट्री अभियान के तहत पौधरोपण एवं संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए हैं। निरीक्षण के दौरान टीम ने महिलाओं द्वारा किए जा रहे समर्पित एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यों की सराहना की। साथ ही उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन हेतु आवश्यक मार्गदर्शन एवं प्रेरणा भी प्रदान की गई। टीम ने विश्वास व्यक्त किया कि निरंतर मेहनत और सामूहिक प्रयासों से नगर पालिका परिषद शहडोल राज्य स्तर पर उत्कृष्ट पहचान बना सकता है।

दीवारें तोड़कर बनाया चूना गोदाम, समाज ने खोला मोर्चा

पंचम लाल चैरिटी ट्रस्ट पर निजी बादशाहत

शहडोल।

कहते हैं कि पूर्वजों द्वारा समाज सेवा के लिए छोड़ी गई अमानत आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करती है, लेकिन शहडोल के हृदय स्थल मीट मार्केट क्षेत्र में स्थित श्री पंचम लाल कसौंधन चैरिटी ट्रस्ट धर्मशाला के साथ जो हो रहा है, वह न केवल शर्मनाक है बल्कि कानून को ठेंगा दिखाने की पराकाष्ठा है। यहां सेवा के संकल्प को ताक पर रखकर एक परिवार ने पूरी धर्मशाला को अपनी निजी जागीर बना लिया है। समाज के चंदे से खड़ी दीवारें आज अपनों की ही बेरुखी और अवैध कब्जे पर आंसू बहा रही हैं।

लीज शर्तों का खुलेआम उल्लंघन

खबर के सबसे चौंकाने वाले पहलू पर गौर करें तो पता चलता है कि धर्मशाला के अस्तित्व को भीतर से खोखला किया जा रहा है। मनोज गुप्ता और कैलाश गुप्ता पर गंभीर आरोप है कि इन्होंने धर्मशाला के अंदरूनी ढांचे (दीवारों) को तोडक़र उसे चूने का गोदाम बना दिया है। जिस पवित्र स्थान पर सामाजिक विमर्श होना था, वहां आज चूने का व्यापार फल-फूल रहा है। क्या जिला प्रशासन और पीआईयू विभाग इस बात से अनजान है कि एक चैरिटेबल ट्रस्ट की लीज शर्तों का सरेआम गला घोंटा जा रहा है?<

आम आदमी का प्रवेश वर्जित

शिकायती दस्तावेजों के अनुसार, इस पूरे खेल का मुख्य मोहरा मनोज गुप्ता नामक व्यक्ति बना हुआ है। आरोप है कि पिछले 10 वर्षों से मनोज गुप्ता ने स्वयं को सर्वेसर्वा (कथित सचिव) घोषित कर धर्मशाला पर अपना निजी ताला लटका रखा है। जिस धर्मशाला के दरवाजे समाज के गरीब तबके, शादियों और सार्वजनिक आयोजनों के लिए खुले होने चाहिए थे, वहां आज आम आदमी का प्रवेश वर्जित है। समाज के लोगों का आरोप है कि मनोज गुप्ता ने न केवल कब्जेदारी की है, बल्कि धर्मशाला को अपनी निजी संपत्ति मानकर उसका व्यापारिक उपयोग करना शुरू कर दिया है।

नवीनीकरण प्रक्रिया में अनियमितताएं

मामला 1981 की उस 30 वर्षीय स्थाई लीज से जुड़ा है, जो श्रीमती गंगाबाई को धर्मशाला हेतु आवंटित की गई थी। आरोप है कि वर्ष 1912 (संभवतः टाइपिंग त्रुटि या ऐतिहासिक संदर्भ) और 1981 के बाद के नवीनीकरण की प्रक्रियाओं में भारी अनियमितताएं की गई हैं। ट्रस्ट के मूल सदस्य अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी मृत्यु के बाद नए ट्रस्टियों की नियुक्ति की प्रक्रिया को पूरी तरह गोपनीय रखा गया। सवाल यह है कि बिना किसी वैध सामाजिक बैठक और बिना कलेक्टर कार्यालय की अनुमति के, मनोज गुप्ता ने स्वयं को शक्तिशाली कैसे घोषित कर लिया?

समाज के डकार गये लाखों

बीते 8 मार्च और 5 अप्रैल को कसौंधन समाज द्वारा आयोजित वृहद बैठकों में मनोज गुप्ता को बार-बार बुलाया गया, ताकि वह आय-व्यय का ब्यौरा दे सकें, लेकिन सत्ता और कब्जे के नशे में चूर आरोपी ने बैठकों से दूरी बनाए रखी। समाज के प्रतिनिधियों ने यहां तक आरोप लगाया है कि जब उनसे चाबी मांगी गई, तो उन्होंने दोटूक लहजे में कह दिया कि जो करना हो कर लो, चाबी नहीं मिलेगी। यहां तक कि समाज के लाखों रुपयों का हिसाब भी डकार लिया गया है। मामले में नया मोड़ तब आया जब एडवोकेट अशोक गुप्ता ने बैठक में खुलासा किया कि मनोज गुप्ता इस ऐतिहासिक धर्मशाला को गिरवाने और तुड़वाने के लिए आवेदन तक दे चुके हैं। जिस भवन की स्थिति आज भी मजबूत और अच्छी है, उसे जर्जर बताकर जमींदोज करने की साजिश क्यों रची जा रही है? क्या इसके पीछे करोड़ों की जमीन को हड़पने का कोई बड़ा भू-माफिया प्लान है।

सौंपा गया शिकायती पत्र

कसौंधन धर्मशाला बचाव समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता, महामंत्री ज्ञानचंद गुप्ता और कोषाध्यक्ष रामशरण गुप्ता ने अब इस लड़ाई को निर्णायक मोड़ पर ला दिया है। आयुक्त और कलेक्टर शहडोल को सौंपे गए शिकायती पत्र में मांग की गई है कि तत्काल एक शासकीय जांच समिति बनाकर ट्रस्ट के कागजों की स्क्रूटनी की जाए। धर्मशाला से चूने का अवैध गोदाम हटवाकर उसे खाली कराया जाए। बिना सामाजिक सहमति के बने अवैध ट्रस्ट को भंग कर नया पारदर्शी बोर्ड बनाया जाए।

ज्ञानेंद्र ने सीएमएचओ के फर्जी हस्ताक्षर और सील का किया उपयोग

सरकारी नौकरी के नाम पर 15 लोगों से ठगी

शहडोल। जिले में बेरोजगारी का फायदा उठाकर मासूमों की जेब पर डाका डालने वाला एक बड़ा जालसाज गैंग सक्रिय है। ताजा मामला गोहपारू तहसील के ग्राम सालेबहरा का है, जहां ज्ञानेंद्र सिंह नामक एक शातिर ठग ने सरकारी नौकरी का झांसा देकर 15 गरीब युवाओं के खून-पसीने की कमाई पर हाथ साफ कर दिया। इस महाठगी ने न केवल पुलिस प्रशासन की चौकसी पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि स्वास्थ्य विभाग में मचे भ्रष्टाचार की ओर भी इशारा किया है। शातिर ठग ज्ञानेंद्र सिंह ने उमरिया और शहडोल जिले के 15 युवाओं को वार्ड बॉय बनाने का लालच दिया। जालसाजी की पराकाष्ठा देखिए कि ठग ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर और सील का उपयोग कर बाकायदा नियुक्ति पत्र भी बांट दिए। 12 मार्च से 23 मार्च के बीच चले इस अपॉइंटमेंट खेल में प्रत्येक युवा से 50 से 55 हजार रुपये वसूले गए। ठगी का शिकार हुए वीरनारायण सिंह, कुलदीप सिंह और अन्य युवाओं ने जब नौकरी जॉइन करने की कोशिश की, तब उन्हें अहसास हुआ कि उनके हाथों में थमाया गया कागज का टुकड़ा महज एक रद्दी है। जब पीड़ित आरोपी के घर पहुंचे, तो उसके पिता रामगोपाल सिंह ने एक और चौंकाने वाला खुलासा किया। पिता के मुताबिक, ज्ञानेंद्र ने जिला चिकित्सालय के सुपरवाइजर संतोष चौबे को भी 55 हजार रुपये दिए हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि इस गोरखधंधे के तार विभाग के भीतर तक जुड़े हो सकते हैं। शिकायती पत्र के अनुसार, अधिकांश लेनदेन डिजिटल माध्यमों से हुआ है। पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर सख्त लहजे में अपनी आपबीती सुनाई है। अब देखना यह है कि कोतवाली पुलिस इस शातिर जालसाज और उसके पीछे छिपे सफेदपोश चेहरों को कब तक सलाखों के पीछे भेजती है। अगर प्रशासन ने अब भी कड़ा प्रहार नहीं किया, तो ठगी का यह कैंसर पूरे जिले को अपनी चपेट में ले लेगा।

हकदारों के बजाय फर्जी मजदूरों के खातों में राशि रोजगार सहायक पर लगाये गये गंभीर आरोप

शहडोल। जिले की जनपद पंचायत सोहागपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सिंदूरी-भर्री से भ्रष्टाचार का एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने सरकारी सिस्टम की पारदर्शिता पर कालिख पोत दी है। यहां जनमन आवास योजना, जो समाज के सबसे पिछड़े वर्गों के सिर पर छत देने के लिए बनाई गई थी, उसे भ्रष्टाचारियों ने अपनी अवैध कमाई का जरिया बना लिया है। आरोप है कि रोजगार सहायक ने मिलीभगत कर मनरेगा की मजदूरी का पैसा असली हकदारों के बजाय फर्जी मजदूरों के खातों में डालकर लाखों का वारा-न्यारा कर दिया है।

ग्रामीणों द्वारा जिला पंचायत सीईओ को सौंपे गए शिकायती पत्र में सीधा हमला बोलते हुए रोजगार सहायक चन्द्रभान साहू और गेंदलाल साहू पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के मुताबिक आवास निर्माण के दौरान जिन मजदूरों ने कभी ईंट तक नहीं छुई, उनके नाम मास्टर रोल में भरकर लाखों रुपये की हेराफेरी की गई है। राम आधार बैगा के खाते में 8 अलग-अलग हितग्राहियों की 25,056 रुपये की राशि डाल दी गई। पंचू बैगा के खाते में 5 लोगों की 9,932 रुपये की मजदूरी खपा दी गई। धनीराम बैगा के खाते में 10 हितग्राहियों के नाम पर लगभग 24,795 रुपये का भुगतान कर दिया गया। इसी तरह भारत साहू, गुड्डा बैगा और राकेश साहू जैसे चुनिंदा नामों का उपयोग कर हजारों रूपये डकारी गई है। एक तरफ जहां सिंदूरी-भर्री के गरीब आदिवासी और ग्रामीण कड़ी धूप में पसीना बहाकर अपने आशियाने की उम्मीद लगाए बैठे हैं, वहीं दूसरी तरफ उनका मेहनताना उन बिचौलियों की जेब में जा रहा है जिनका काम सिर्फ कागजों पर मजदूर बनना है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह महज एक संयोग नहीं, बल्कि एक सुनियोजित सॉफ्टवेयर स्कैम है, जिसमें रोजगार सहायक की कलम ने गरीबों के निवाले को भ्रष्टाचार की स्याही में डुबो दिया है। आक्रोशित ग्रामीणों और हितग्राहियों देवशरण बैगा, सुनील बैगा, मुकेश बैगा सहित दर्जनों लोगों ने दो-टूक मांग की है कि भ्रष्ट रोजगार सहायक के खिलाफ तत्काल जांच दल गठित कर एफआईआर दर्ज की जाए। जांच प्रभावित न हो, इसके लिए आरोपी का तुरंत स्थानांतरण किया जाए। गरीबों की मेहनत की पाई-पाई उन्हें वापस दिलाई जाए। ग्रामीणों की चेतावनी साफ है कि अगर कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन की आग पंचायत से लेकर कलेक्ट्रेट तक धधकेगी।

150 पशुओं की जीवनधारा बनी श्याम गोशाला
फाउंडेशन ने पंचायत से लिया संचालन का दायित्व

शहडोल। जिले की सोहागपुर जनपद के ग्राम पड़मनिया कला में संचालित श्याम गौशाला, पशु संरक्षण की दिशा में एक अनुकरणीय उदाहरण पेश करती है। यह गोशाला मूक जानवरों के दुख-दर्द को मानवीय संवेदनाओं से जोड़ती है। श्याम सोशल फाउण्डेशन द्वारा संचालित इस गोशाला में अभी लगभग 150 पशु संरक्षित हैं। यह गोशाला पिछले करीब 4 वर्षों से संचालित है।

पंचायत नहीं चला सकी

बताया गया कि यह गोशाला पहले ग्राम पंचायत द्वारा संचालित की जाती थी। भवन भी शासन ने गोशाला के लिए बनवाया था। लेकिन कार्य की अधिकता के कारण पंचायत भलीभांति इसका संचालन नहीं कर सकी और शासन का उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा था। तब इसे डॉ. बृजेश पयासी के संरक्षण में श्याम फाउण्डेशन ने अपने हाथों में ले लिया। तब से इसका संचालन सुचारू रूप से हो रहा है।

शासन का भी सहयोग

गोशाला के व्यय के लिए शासन द्वारा 40

रुपए प्रति पशु प्रति दिन के मान से हर तीन माह में राशि प्रदान की जाती है जो कि गोशाला के खाते में आती है। इसके अलावा लोगों का भी सहयोग प्राप्त होता है। भूसा, पैरा आदि खाने का सामान जनसहयोग से प्राप्त हो जाता है। सहयोग देने में बंशी सराफ, कमलेश अग्रवाल, पप्पू कटारे आदि अग्रणी भूमिका निभाते हैं। गोशाला संचालन में कोई कठिनाई नहीं आती है।

उपचार की व्यवस्था

पशुओं के स्वास्थ्य की देखरेख के लिए गोशाला में वेटनरी डाक्टरों की व्यवस्था है। गोशाला परिसर में ही जांच पड़ताल करने की व्यवस्था है। वेटनरी स्टाफ मौजूद रहता है। गोशाला में तीन कर्मचारी नियुक्त हैं, जो पशुओं को घुमाने फिराने के साथ उनके खाने पीने का इंतजाम करते हैं।

इनका कहना है...

पशु पालकों को पूरी जिम्मेदारी से पशओं की देखभाल करनी चाहिए। उन्हे असहाय हालत में सडक़ों पर नहीं छोडऩा चाहिए। इससे आवाजाही तो बाधित होती ही है पशु और राहगीर दोनो खतरे में पड़ जाते हैं।

पवन खण्डेलियाअध्यक्ष, श्याम सोशल फाउण्डेशन

ब्लैकमेलिंग और धमकी का डिजिटल आतंक
कोतवाली में पार्षद ने दर्ज कराई शिकायत

शहडोल। इंसानियत को शर्मसार करने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक तरफ वार्ड पार्षद का परिवार गंभीर स्वास्थ्य संकट से जूझ रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ असामाजिक तत्व अवसरवादिता की सारी हदें पार कर उन्हें मानसिक और सामाजिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। मामला इतवारी मोहल्ला निवासी और वार्ड नंबर 11 की पार्षद के पति बाबू उर्फ एजाज मोहम्मद से जुड़ा है, जिन्होंने धनपुरी निवासी एक युवक पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से सुरक्षा और न्याय की गुहार लगाई है। शिकायती पत्र के अनुसार, एजाज मोहम्मद शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं और हाल ही में 29 मार्च को श्रीराम अस्पताल में उनके पैरों का दोबारा ऑपरेशन (करीब 4 इंच हिस्सा काटा गया) हुआ है। अभी उनके टांके भी नहीं सूखे हैं और वे बिस्तर से हिलने तक में असमर्थ हैं, लेकिन इसी बीच मो. आमिर उर्फ साहिल नामक युवक ने सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ झूठे आरोपों की झड़ी लगा दी है।

आरोप है कि साहिल द्वारा फर्जी वीडियो बनाकर वायरल किए जा रहे हैं ताकि पार्षद परिवार की छवि धूमिल की जा सके। पीड़ित का कहना है कि यह न केवल ब्लैकमेलिंग का प्रयास है, बल्कि खुलेआम धमकी देकर उन्हें मानसिक रूप से तोडऩे की साजिश है। जबकि विवादित पुश्तैनी भूमि पर निर्माण कार्य से एजाज का कोई लेना-देना नहीं है।

पार्षद पति ने कोतवाली शहडोल में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। अब देखना यह है कि प्रशासन सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर एक बीमार व्यक्ति को प्रताड़ित करने वाले इस साइबर गुंडे पर कब लगाम कसता है। स्थानीय लोगों में इस ओछी हरकत को लेकर भारी आक्रोश है।

जल के संरक्षण का संकल्प, सुरक्षित जीवन होगा कल,जल संरक्षण का सशक्त माध्यम बना जल गंगा संवर्धन अभियान

250 जल सरंचनाओ का जीर्णोद्वार एवं 350 वाटर हार्वेस्टिंग पूर्ण

शहडोल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में जल के संरक्षण, संवर्धन एवं जल के प्रति जनमानस में जागरूकता बढ़ाने के उददेश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक चलाया जा रहा है।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति के निर्देशानुसार शहडोल जिले के समस्त ग्राम पंचायतो एवं नगरीय निकायो में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वर्षा के जल के संचयन हेतु पुराने तालाबो की साफ-सफाई, जल स्त्रोतो के जीर्णोद्वार के कार्य, शोक पिट निर्माण, वाटर हार्वेस्टिग के कार्य जैसे अन्य कार्य किये जा रहे है जिसके सकारात्मक परिणाम परिलक्षित हो रहे है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनमानस को प्रकृति की अमूल्य उपहार जल के प्रति जागरूक करने एवं जल की एक-एक बूंद को बचाने हेतु दीवार लेखन, जल जागरूकता रैली, कार्यशालाएं भी आयोजित की जा रही है। जल ही जीवन है यह केवल एक वाक्य नही, बल्कि हमारी पृथ्वी का आधार है। हर बूंद हमारे अस्तित्व से जुडी है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहपारू श्री सुधीर दिनकर ने जानकारी दी है कि जनपद पंचायत गोहपारू के अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन-प्रतिनिधियो, अधिकारियो, समाजसेवियो, स्वयंसेवी संगठनो के सदस्यो एवं जन सहयोग से अभी तक 150 बोरी बंधान का कार्य किया गया है। इसी प्रकार शासकीय भवनो में 350 रैन वाटर हारवेंस्टिग, 1000 शोकपिट निर्माण, 250 जल स्त्रोतो का जीर्णोद्वार एवं 5000 से ज्यादा कन्टूर ट्रेंच के कार्य किये गए है।

WE ARE HIRING
Job Opening
CIRCULATION ASSISTANT MANAGER
Position : Circulation Assistant Manager - 2 Post
Location : Raipur City
We are looking for a dynamic, Target Oriented and motivated Circulation Assistant to Join our team.
Qualifications :
- MBA (Marketing) from a recognized institution
- 3-5 Years of relevant experience in circulation Department
- Age 25 to 30 Years
Responsibilities :
- Manage circulation and distribution of publications
- Handle customer queries
- Maintain accurate circulation records
How to Apply
Interested candidates may send their resume to Email : inhnewshr@gmail.com
Last Date to Apply : 10 April 2026
हरिभूमि inh Opp. Pujari Park, Dhamtari Road, Tikrapara, Raipur

खबर संक्षेप

कोतमा में शोकाकुल परिवारों से मिलीं सांसद हिमाद्री सिंह, व्यक्त की शोक संवेदना

कोतमा। शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह सोमवार को कोतमा विधानसभा क्षेत्र के कोतमा नगर के दौरे पर रहीं। उन्होंने अग्रवाल लॉज गिरने से हुई दुर्घटना में मृतक श्रीमती राधा कोल के निवास पर पहुंचकर परिजनों से भेंट की और गहन शोक संवेदना व्यक्त की। इसी क्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता के निवास जाकर कुछ दिनों पूर्व उनकी मां के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी सुंदर लाल गुप्ता के निधन पर उनके घर जाकर परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। कोतमा कोर्ट के अधिवक्तागणों से भेंट के बाद पत्रकार राजकुमार तिवारी के घर पहुंचीं और उनके पिता रामभुवन तिवारी के निधन पर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद भाजपा मंडल कोतमा कार्यालय में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मिलकर पार्टी के स्थापना दिवस पर संबोधित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य नर्मदा सिंह, जिला उपाध्यक्ष ज्योति सोनी, जिला उपाध्यक्ष मदन त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष कोतमा पुष्पेंद्र जैन, मंडल अध्यक्ष बिजुरी रिंकू शर्मा, मंडल महामंत्री रत्नेश उपाध्याय एवं समस्त भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री नर्मदा उद्गम कुण्ड में नर्मदा चालीसा एवं श्री नर्मदाष्टक का भावपूर्ण एवं साहित्यिक स्वरूप में स्थापना

अमरकंटक। पावन तीर्थनगरी अमरकंटक स्थित श्री नर्मदा मंदिर उद्गम कुण्ड में आस्था, श्रद्धा और साहित्यिक सौंदर्य का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब माँ नर्मदा की महिमा का गुणगान करने वाली नर्मदा चालीसा एवं श्री नर्मदाष्टक को अत्यंत आकर्षक एवं साहित्यिक शैली में तैयार कर विधिवत स्थापित किया गया। इस पावन अवसर पर संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं के हृदय में माँ नर्मदा के प्रति असीम भक्ति एवं समर्पण का भाव उमड़ पड़ा। सुव्यवस्थित एवं कलात्मक रूप में अंकित इन स्तुतियों ने न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ किया, बल्कि साहित्यिक गरिमा को भी एक नई ऊँचाई प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान पूज्य स्वामी धर्मानंद महाराज एवं स्वामी सुंदरानंद महाराज की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण कर दिया। उनके सान्निध्य में सम्पन्न इस स्थापना ने स्थल को और अधिक पवित्र एवं दिव्य बना दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार उमाशंकर पाण्डेय 'मुन्नू' एवं हर्ष द्विवेदी लालजी की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही, जिन्होंने इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। उक्त कार्य मणी भाई के सौजन्य से सम्पन्न हुआ, जिनके सहयोग से यह भव्य एवं सार्थक प्रयास साकार हो सका। उपस्थित श्रद्धालुओं एवं स्थानीय जनसमुदाय ने इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे धर्म, संस्कृति और साहित्य के संगम का अनुपम उदाहरण बताया। अंत में, सभी ने माँ नर्मदा से क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। यह स्थापना आने वाले समय में श्रद्धालुओं के लिए भक्ति, अध्ययन और प्रेरणा का केंद्र बनेगी।

सुभाष चौक, धनपुरी में जनआक्रोश का धरना

अंकित सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेसियों का प्रदर्शन

संतोष सिंह ने भी साधा प्रशासन पर निशाना

धनपुरी स्थित सुभाष चौक में मंगलवार को जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस का बड़ा धरना प्रदर्शन हुआ। ब्लॉक अध्यक्ष अंकित सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता दिनभर डटे रहे। जनता का व्यापक समर्थन मिला। अवैध निर्माण, प्रदूषण और खराब सडक़ों जैसे मुद्दों को लेकर आंदोलन तेज हुआ, जिससे प्रशासन पर कार्रवाई का दबाव बढ़ गया है।

शहडोल।

जिले के धनपुरी के सुभाष चौक में कांग्रेस द्वारा आयोजित धरना प्रदर्शन पूरे दिन चर्चा का विषय बना रहा। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अंकित सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता सुबह से ही धरने पर बैठ गए और क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को लेकर जोरदार विरोध दर्ज कराया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी धरना स्थल पर पहुंचे और आंदोलन को अपना समर्थन दिया। धरने के माध्यम से मुख्य रूप से एसईसीएल प्रबंधन और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई गई। आरोप है कि वार्ड क्रमांक 7 सहित आसपास के क्षेत्रों में अवैध एवं असुरक्षित निर्माण कार्य हो रहे हैं, जिन पर रोक नहीं लगाई जा रही है। साथ ही कोल डस्ट से फैल रहे प्रदूषण, जर्जर सडक़ों और पेयजल जैसी बुनियादी समस्याओं को लेकर लोगों में भारी आक्रोश है।

ब्लॉक अध्यक्ष अंकित सिंह ने धरना स्थल से स्पष्ट शब्दों में कहा यह आंदोलन जनता की आवाज है। हमने पहले भी कई बार प्रशासन और एसईसीएल प्रबंधन को समस्याओं से अवगत कराया, लेकिन सिर्फ आश्वासन मिले, समाधान नहीं। अब यदि 10 दिनों के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो कांग्रेस पार्टी इस आंदोलन को और व्यापक रूप देगी। उन्होंने यह भी कहा कि कोल डस्ट से बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है, जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। अंकित सिंह ने अपने ज्ञापन में अवैध निर्माण कार्यों को तत्काल रोकने, सडक़ों की मरम्मत कराने, नियमित पानी का छिडक़ाव कर धूल को नियंत्रित करने और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग भी रखी है। उन्होंने कहा कि यह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि आम जनता के जीवन से जुड़ा प्रश्न है।

धरने के दौरान कांग्रेस नेता संतोष सिंह ने भी प्रशासन और प्रबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा धनपुरी और बुढार क्षेत्र की जनता लंबे समय से समस्याओं से जूझ रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं। कांग्रेस हमेशा जनता के साथ खड़ी रही है और आगे भी रहेगी। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो हम सडक़ से लेकर सदन तक इस मुद्दे को उठाएंगे। संतोष सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि एसईसीएल द्वारा क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों में स्थानीय लोगों की अनदेखी की जा रही है, जिससे बेरोजगारी बढ़ रही है। उन्होंने मांग की कि स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार दिया जाए और विकास कार्यों में पारदर्शिता लाई जाए।

धरना स्थल पर मौजूद आम नागरिकों ने भी खुलकर अपनी समस्याएं साझा कीं। महिलाओं ने बताया कि धूल और गंदगी के कारण घरों में रहना मुश्किल हो गया है, वहीं बच्चों को लगातार स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों ने कहा कि सडक़ों की खराब स्थिति के कारण रोजमर्रा का आवागमन भी बाधित हो रहा है। इस आंदोलन की खास बात यह रही कि इसमें युवाओं की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। युवाओं ने इसे अपने भविष्य और स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा बताते हुए जोरदार समर्थन दिया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि जनहित का व्यापक स्वरूप ले चुका है।

धरने के चलते प्रशासन पर भी दबाव बढ़ता नजर आ रहा है। सूत्रों के अनुसार, संबंधित विभागों ने मामले को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है और जल्द ही कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक जमीनी स्तर पर सुधार नहीं दिखता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। कुल मिलाकर, सुभाष चौक पर हुआ यह धरना प्रदर्शन क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं को उजागर करने में सफल रहा है। अंकित सिंह और संतोष सिंह की अगुवाई में उठाई गई यह पहल जनता के बीच विश्वास और उम्मीद पैदा कर रही है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस जनआक्रोश को कितनी गंभीरता से लेते हुए समाधान की दिशा में कदम उठाता है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आम जनों की समस्याएं

उमरिया।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिले के दूर दराज से आए लोगो की समस्याओं को सुना तथा निराकरण के लिए संबंधित विभाग की ओर प्रेषित किया। जनसुनवाई में अमन शर्मा ने पिता के इलाज हेतु आर्थिक सहायता स्वीकृत कराने, लक्ष्मी केवट चंदिया ने दोनो आंख से दिव्यांग होने पर पेंशन दिलाने, सुन्नी बाई गोपालपुर ने आधार कार्ड बनवाने, सुनीता बसदेवा खेरवा ने रास्तार बहाल कराने, कोमल सिंह , प्रियंका, सेमबल, गेंदलाल धवईझर ने सीसी रोड एवं पुलिया बनवाने, राम कुमार त्रिपाठी चंदवार ने कपिलधारा कूप निर्माण की राशि दिलाने, गंगोत्री सिंह ए एन एम उप स्वास्थ्य केंद्र कोडार ने आई एफ एफ एस आई एस पोर्टल में जन्म तिथि में सुधार नही होने कि स्थिति में तीन माह का वेतन नही मिलने, श्याम किशोर तिवारी उमरिया ने 17 माह का वेतन दिलाने, बृजेश कुमार बैगा ने पिता कि मृत्यु उपरांत अनुकंपा नियुक्ति दिलाने संबंधी आवेदन दिया। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता , संयुक्त कलेक्टर अमित सिंह, तहसीलदार बांधवगढ दिलीप सोनी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का समापन

हरिभूमि न्यूज<कोतमा। शासकीय महाराजा मार्तंड महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर का सातवें दिन समापन समारोह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समापन समारोह में शासकीय महाराजा मार्तण्ड महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक मोहम्मद मोबिन के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मोहम्मद मोबिन ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा से ही विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का समग्र विकास संभव है। उन्होंने सात दिवसीय विशेष शिविर के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें समाज के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु सदैव तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. राज कुमार रैदास ने विद्यार्थियों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए उन्हें अनुशासन, सेवा भावना एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने का संदेश दिया। सुश्री कृति मरावी ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को समाज सेवा के महत्व से अवगत कराते हुए निरंतर सक्रिय रहने की प्रेरणा दी। समापन अवसर पर महाविद्यालय के स्टाफ एवं ग्राम पंचायत गोहन्ड्रा के ग्रामवासियों की उपस्थिति रही। सभी ने सामूहिक रूप से सहभागिता की, जिससे आपसी समन्वय एवं सहयोग की भावना को बल मिला। तत्पश्चात पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें शिविर के सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शिव कैलाश यादव द्वारा किया गया। आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी सुश्री वैष्णवी दारको द्वारा आभार व्यक्त किया गया। सात दिवसीय विशेष शिविर के सफल समापन ने विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करते हुए उन्हें एक जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

नाबालिक से बलात्कार का फरार आरोपी हुआ गिरफ्तार, एक साल से रहा फरार

आखिरकार तेलंगाना से दबोचा गया दरिंदा

हरिभूमि न्यूज राजेंद्रग्राम। जिले के करनपठार थाना क्षेत्र में एक साल से फरार चल रहे आरोपी को आखिरकार पुलिस ने हजारों किलोमीटर दूर तेलंगाना से पकड़कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। यह गिरफ्तारी किसी फिल्मी पीछा से कम नहीं रही है, जहां आरोपी बार-बार लोकेशन बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था, लेकिन आखिरकार कानून के लंबे हाथों से बच नहीं सका। गौरतलब हो कि यह मामला बेहद संवेदनशील है। 24 जून 2025 को दर्ज रिपोर्ट में 17 वर्षीय पीड़िता ने आरोप लगाया था कि आरोपी लखन साहू उसे जबरन अपने साथ गाड़ासराई ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस गंभीर अपराध के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया और लगभग एक साल तक पुलिस को गुमराह करता रहा है। मोबाइल सिम खरीदने गया आरोपी का नंबर जैसे चालू होता है पुलिस को आरोपी का लोकेशन पता चल जाता है और गिरफ्तार कर लेती है साल भर पहले हुए मामले की गंभीर धाराओं और पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपी की तलाश में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। गांव से लेकर दूसरे जिलों तक दबिश दी गई, लेकिन आरोपी हर बार हाथ से फिसलता रहा है। आखिरकार साइबर सेल की मदद से उसकी लोकेशन तेलंगाना में ट्रेस हुई, इसके बाद करनपठार पुलिस की टीम ने वहां पहुंचकर उसे धर दबोचा है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को अनूपपुर लाया गया, जहां पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। मेडिकल परीक्षण के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया है। इस पूरी कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार बरकरे, सउनि धनेश्वर पटेल सहित पुलिस टीम और साइबर सेल की अहम भूमिका रही है।

सेक्टर क्रमांक 1 करकेली बन्ना नदी मे किय गया सामूहिक श्रमदान

उमरिया।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की पहल पर संपूर्ण राज्य में जल को संरक्षित करने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है।अभियान के तहत कलेक्टर धरणेंद्र कुमार जैन के मार्गदर्शन में जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है तथा लोगों को जल के संरक्षण की शपथ दिलाते हुए उसका दुरूपयोग नहीं करने की समझाइश दी जा रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत करकेली विकासखंड के सेक्टर क्रमांक 1 करकेली में बन्ना नदी में जल गंगा संवर्धन अभियान के द्वितीय चरण के तहत नदी में साफ सफाई का कार्य किया गया ।

परामर्शदाता,द्वारा सीएमसीएलडीपी के छात्रों को जल के महत्व के बारे में बताते हुए कहा गया कि जल है तो कल है। जल ही जीवन है इसलिए हमें जल का महत्व समझते हुए जितनी आवश्यकता हो उतना ही जल का उपयोग करना चाहिए । जल संरक्षण के महत्व और जल स्त्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने हेतु समझाया गया। अभियान में मुख्य रूप से परामर्शदाता डॉ.सुनीता सिंह एमएसडब्ल्यू छात्र -छात्रा श्वेता कांत,खुशबू सिंह राठौड़, अलका रजक,अनिलेश नामदेव,हिमांशु मिश्रा उपस्थित रहे छात्र-छात्राओं ने मिलकर श्रमदान करते हुए यह संदेश दिया कि सामूहिक प्रयास से ही जल संरक्षण को सफल बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने जल संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

100 दिनों से अनूपपुर जिले में हाथियों का कब्जा

एक नर हाथी पोंडी के जंगल से लापता, वन विभाग कर रहा खोजबीन

हरिभूमि न्यूज राजेंद्रग्राम।

तीन हाथियों का समूह 100 वे दिन अनूपपुर जिले में निरंतर विचरण करता हुआ वन परिक्षेत्र राजेंद्रग्राम के तुलरा बीट अंतर्गत जंगल में आज पांचवे दिन विश्राम कर रहे हैं हाथियों के द्वारा रात का समय होते ही ग्रामीण जनों के खेतों में लगे विभिन्न तरह की फसलों को आहार बनाते हुए ग्रामीणों के खदेड़ने एवं सुबह होते ही विश्राम करने जंगल चले जाते हैं वही एक अकेला नर हाथी जो 3 अप्रैल की देर रात छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके से अनूपपुर जिले में प्रवेश कर विगत 5 दिन से विचरण कर रहा है का दो दिनों से कहीं भी पता नहीं चलने से वन विभाग चिंतित है जिसकी खोजबीन की जा रही है। तीन हाथियों का समूह विगत 106 दिन पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य की मरवाही इलाके से मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में प्रवेश कर जिले के अनूपपुर एवं जैतहरी इलाके से विचरण करता हुआ शहडोल जिले के बुढार वन परिक्षेत्र से एक बार फिर अनूपपुर जिले के अहिरगवां वन परिक्षेत्र में विचरण कर 6 दिनों तक डिंडौरी में विचरण करता हुआ विगत 5 दिनों से एक बार फिर अनूपपुर जिले के राजेंद्रग्राम वन परिक्षेत्र अंतर्गत तुलरा बीट के इलाके में आकर दिन के समय जंगलों में ठहरते हुए शाम एवं रात होते ही ग्रामीणों के खेतों में लगे विभिन्न तरह की फसलों को आहार बना रहे हैं हाथियों द्वारा तुलरा गांव निवासी दिलेर

सिंह पिता प्रीतम सिंह के खेत में लगे गेहूं को दो दिनों से निरंतर आहार बना रहे हैं वहीं सोमवार की रात तुलरा निवासी यादवेंद्र दीक्षित के खेत के गेहूं को भी खाते हुए मंगलवार की सुबह तुलरा वन बीट अंतर्गत तुलरा एवं चरकूमर गांव के मध्य स्थित जंगल में पहुंचकर दिन के समय विश्राम कर रहे हैं।

वही एक अकेला नर हाथी जो 3 अप्रैल की देर रात छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही वन परिक्षेत्र की सीमा को पार कर अपने तीन हाथी साथियों के चलने वाले मार्ग से होता हुआ साथियों की खोज में अनूपपुर जिले में प्रवेश कर ग्राम पंचायत एवं वन बीट चोलना से प्रवेश कर धनगवां बीट के जंगल में एक दिन व्यतीत करने बाद कोतमा वन परिक्षेत्र के कोलमी गांव में स्थापित हो रहे न्यू जोन पावर प्लांट की सीमा से वापस होकर वन परिक्षेत्र अनूपपुर के भोलगढ़ एवं पोंडी बीट के जंगलों में विचरण कर रहा है यह हाथी रविवार की रात बरबसपुर एवं मानपुर इलाके में रात के समय विचरण करता हुआ सोमवार की सुबह की राज्यमार्ग को पोंडी गांव के समीप सांधा तिराहा से मुख्य मार्ग पारकर पोंड़ी एवं खांडा के जंगल की ओर वन विभाग का नए प्लांटेशन के लकड़ी का खंबा एवं तार तोड़ते हुए गया रहा जिसकी सोमवार की शाम से मंगलवार की दोपहर तक किसी भी इलाके में किसी भी तरह के विचरण की सूचना नहीं मिलने से वन विभाग चिंतित है इस हाथी की वन विभाग द्वारा खोजबीन की जा रही है यह हाथी अपने तीन अन्य साथियों की तलाश में बीच-बीच में चिंघाड़ कर, अपने पैरों को जमीन में पटक पटक कर अपने साथियों को संदेश देने का प्रयास करते दिख रहा है तेजी से रात के समय आवाज आने पर ग्रामीण जन दहशत की स्थिति में है इस हाथी द्वारा मरवाही के शिवनी बीट अंतर्गत डडिंया गांव से लगे जंगल में 3 अप्रैल की सुबह महुआ फल बीन रहे एक वृद्ध पर हमला कर मृत कर दिया रहा है। वन विभाग का गश्ती दल हाथियों के विचरण पर निरंतर निगरानी रखते हुए ग्रामीण जनों को सचेत एवं सावधान रहने की अपील की है।

संकल्प कॉलेज के विद्यार्थी प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक भ्रमण के लिए पुणे महाराष्ट्र हुए रवाना

पुणे के प्रतिष्ठित संस्थानों का भ्रमण करते हुए प्राप्त करेंगे प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर जिले के प्रतिष्ठित संस्थान संकल्प ग्रुप ऑफ कॉलेज अनूपपुर द्वारा विद्यार्थीयो को प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक सफर को प्रायोगिक शिक्षा से जोड़ने हेतु पुणे महाराष्ट्र के प्रतिष्ठित संस्थानों में शैक्षणिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु अनूपपुर से रवाना किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में उत्साह एवं नई उम्मीदों का विशेष वातावरण देखने को मिला। विद्यार्थियों के चेहरे पर आत्मविश्वास और अपने उज्ज्वल भविष्य के प्रति महाविद्यालय के द्वारा उठाए जा रहे कदमों के लिए एक सकारात्म सोच देखने को मिली। यह भ्रमण विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की नवीनतम तकनीकों अत्याधुनिक प्रयोगशाला हाई-एंड डायग्नोस्टिक उपकरणों उन्नत परीक्षण पद्धतियों तथा औद्योगिक एवं हॉस्पिटल वर्किंग कल्चर से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के आधुनिक उपकरणों पर कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा जिससे वे वास्तविक कार्यप्रणाली को समझ सकेंगे इसके साथ ही भविष्यनिर्माण में किस प्रकार से विद्यार्थी अपने आप को तैयार करे उसको लेकर भी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं की गहन जानकारी भी दी जाएगी। यह अनुभव उनके अंदर आत्मनिर्भरता कार्यकुशलता एवं जिम्मेदारी की भावना को और अधिक सुदृढ़ करेगा। कॉलेज संचालक अंकित शुक्ला का मानना है कि वर्तमान समय में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है बल्कि प्रायोगिक ज्ञान एवं औद्योगिक ज्ञान भी उतना ही आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है ताकि विद्यार्थी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए स्वयं को तैयार कर सकें। प्रबंधन ने यह भी बताया कि इस प्रकार की शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों में प्रायोगिक कौशल, कार्य कुशलता एवं संचार कौशल का समग्र विकास होता है। साथ ही यह अनुभव उन्हें भविष्य में बेहतर रोजगार अवसर प्राप्त करने में भी सहायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर कॉलेज के संचालन एवं समस्त स्टाफ द्वारा विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुरक्षित सफल एवं ज्ञानवर्धक प्रशिक्षण की कामना की गई। सभी ने आशा व्यक्त की कि यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों के करियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मील का पत्थर साबित होगा।

खबर संक्षेप

26 अप्रैल को जिले में होगी राज्य सेवा की प्रारंभिक परीक्षा

कटनी। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित होने वाली राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 हेतु जिले में चयनित परीक्षा केन्द्रों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। इसके लिये जिला शिक्षा अधिकारी, सहायक संचालक (शिक्षा विभाग) और राज्य शिक्षा केन्द्र के अतिरिक्त परियोजना समन्वयक को परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण का जिम्मा सौंपा गया है। यह निरीक्षण दल परीक्षा केन्द्र का नाम एवं पते की जांच करेगा। केन्द्र का पता अंकित न होने अथवा गलत होने की स्थिति में संशोधन के संबंध में तत्काल सूचित करेगा। साथ ही केन्द्र की बैठक क्षमता की जांच करेगा। इसके अलावा यदि सूची में किसी भी प्रकार के संशोधन की आवश्यकता है, तो आयोग को दो दिवस के भीतर सूचित करेगा। इन अधिकारियों को जल्द से जल्द निरीक्षण कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये हैं। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 की प्रारंभिक परीक्षा 26 अप्रैल को ओ.एम.आर. पद्धति से दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। प्रथम सत्र प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और द्वितीय सत्र दोपहर 2:15 बजे से शाम 4:15 बजे तक जिले के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित होगा।

ननि द्वारा विभिन्न स्थलों में किया जा रहा प्याऊ का संचालन

कटनी। भीषण गर्मी को देखते हुए आमजन को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम कटनी द्वारा नगर के विभिन्न स्थलों में निशुल्क प्याऊ संचालन किया जा रहा है। जल प्रदाय शाखा के उपयंत्री मृदुल श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि इसी श्रृंखला में विगत दिवसों नगर के दो अन्य स्थलों कटनी मुख्य स्टेशन चौराहा एवं बस स्टैंड में राहगीरों एवं वाहन चालकों की सुविधा के लिए निःशुल्क प्याऊ प्रारंभ किया गया है। यह मार्ग, स्थल नगर का प्रमुख मार्ग होने के कारण यहां से गुजरने वाले सैकड़ों लोगों को शीतल पेयजल उपलब्ध होगा, जिससे राहगीरों को राहत मिल सकेगी। निगम प्रशासन द्वारा ग्रीष्म ऋतु के दौरान नागरिकों को शीतल पेयजल की उपलब्धता को दृष्टिगत रखते हुए वर्तमान समय में नगर के 8 प्रमुख स्थलों सुभाष चौक, पुरानी कचहरी चौराहा, कटनी मुख्य स्टेशन चौराहा, मुड़वारा स्टेशन के पास, बस स्टैंड, माधवनगर गेट, नगर निगम कार्यालय के बाहर तथा नगर निगम परिसर के अंदर सार्वजनिक प्याऊ संचालित किये जा रहे है। निगम प्रशासन ने आमजन से सार्वजनिक प्याऊ के आसपास की स्वच्छता बनाए रखने एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की अपील की है।

कीटनाशक दवाइयों का किया जा रहा छिड़काव

कटनी। शहर के नागरिकों को संक्रामक बीमारियों के प्रकोप से बचाने तथा रोकथाम के लिए निगम प्रशासन द्वारा लगातार कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव कराया जा रहा है। शहरी क्षेत्र के सभी वार्डों में हैण्ड स्प्रे मशीन के द्वारा छिड़काव का कार्य कराया जा रहा है। मच्छरों के प्रकोप पर नियंत्रण के साथ ही डेंगू मलेरिया एवं मच्छर जनित अन्य संक्रामक बीमारियों को रोकने तथा मच्छरों के विनिस्टिकरण के लिए नगर निगम द्वारा लगातार सघन छिड़काव अभियान चलाया जा रहा है। शाम को फागिंग मशीनों के माध्यम से फागिंग के कार्य के अलावा सुबह के समय में सफाई कार्य के दौरान कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव कराया जा रहा है। जिससे नागरिकों को राहत मिल रही है। नगर निगम द्वारा लगातार शहर के सभी मलिन बस्तियों के साथ-साथ कॉलोनियों, सार्वजनिक स्थलों, आदि जगहों पर कीटनाशक दवाईयों का सघन रूप से छिड़काव एवं फागिंग का कार्य कराया जा रहा है। नगर के तीन वार्डों चन्द्रशेखर आजाद वार्ड, जगमोहनदास वार्ड एवं वीर सावरकर वार्ड में फॉगिंग मशीन द्वारा अभियान चलाया गया। तीनों वार्डों के विभिन्न मुख्य मार्गो एवं बस्तियों का भ्रमण कर फागिंग मशीन से रासायनिक धुएं का छिड़काव किया जाकर मच्छर जनित बीमारियों पर नियंत्रण के प्रयास किये गए। आगामी दिनों में भी यह अभियान नगर के प्रत्येक वार्डो में निरंतर जारी रहेगा।

घर में दिनदहाड़े हुई चोरी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले के बुढ़ार थाना अंतर्गत ग्राम धनपुरा में हुई चोरी की वारदात को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस मामले में एक युवक सहित दो विधि विरुद्ध बालकों को हिरासत मेंलेकर उनके पास से चोरी का मशरूका बरामद किया है।

क्या था पूरा मामला?

दिनांक 28.11.2025 को फरियादी विनय सिंह (निवासी ग्राम धनपुरा) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 26 नवंबर को जब वे अपनी पत्नी के साथ घर में ताला लगाकर बाहर गए थे, तभी अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। दोपहर को वापस लौटने पर उन्हें कमरे का ताला टूटा मिला और अलमारी से कीमती जेवरात व नकदी गायब थे।चोरी का तरीकाः आरोपी घर के पीछे स्थित बाथरूम के रास्ते छत पर चढ़े और सीढ़ी के जरिए अंदर प्रवेश कर घटना को अंजाम दिया।चोरी गया सामानः सोने की मनचली, पायल, अंगूठी, झुमका, चांदी की पायजेब, बिछिया (कुल कीमत लगभग 80, हजार) और 12 हजार नगद।

पुलिस की कार्रवाई और गिरफ्तारी

थाना बुढ़ार में अपराध कायम होने के बाद विवेचना के दौरान संदेह के आधार पर अजय बैगा (19 वर्ष) और दो नाबालिगों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया।बरामदगीः पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए समस्त सोने-चांदी के जेवरात बरामद कर लिए हैं।

न्यायालय में पेश किया

मुख्य आरोपी अजय बैगा को गिरफ्तार कर न्यायालय बुढ़ार में पेश किया गया, जबकि दोनों नाबालिगों (विधि विरुद्ध बालकों) को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

सराहनीय भूमिका

इस त्वरित कार्रवाई में थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार बुढ़ार के नेतृत्व में पुलिस टीम का विशेष योगदान रहाःसउनिः राजा भैया बागरी,आरक्षकः हरिकिशन,प्रधान आरक्षकः गजेंद्र सिंह एवं समस्त थाना स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

बुढ़ार पुलिस की बड़ी सफलता

छत्तीसगढ़ से बरामद की गई नाबालिग बालिका

आरोपी को किया गिरफ्तार

बुढ़ार। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो महीने से लापता एक 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़ से सुरक्षित बरामद कर लिया है। मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

क्या था मामला?

दिनांक 04. फ़रवरी 26 को फरियादी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी 15 वर्षीय पुत्री धनपुरी क्षेत्र में एक पारिवारिक कार्यक्रम (बरोह) में शामिल होने गई थी, जहां से वह अचानक लापता हो गई। परिजनों ने आशंका जताई थी कि कोई अज्ञात व्यक्ति उसे बहला-फुसलाकर ले गया है। पुलिस ने तत्काल धारा 137(2) BNS के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

मनेंद्रगढ़ में मिली लोकेशन, आरोपी धराया

थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर लगातार प्रयास किए। अंततः 07.04.2026 को पुलिस टीम ने पीड़िता को मनेंद्रगढ़ (छत्तीसगढ़) से बरामद करने में सफलता प्राप्त की।

आरोपी की पहचानः विक्रम उर्फ विक्खू कोल (उम्र 19 वर्ष), निवासी भुतही मोहल्ला, बुढ़ार।

बढ़ी धाराएं: पीड़िता के बयानों के आधार पर मामले में बीएनएस की अन्य सुसंगत धाराओं और पॉक्सो एक्ट का इजाफा किया गया है।

न्यायालय में पेशी

पुलिस ने आरोपी विक्रम कोल को गिरफ्तार कर 7 अप्रेल को न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

सराहनीय भूमिका

इस संवेदनशील मामले को सुलझाने और बालिका की सुरक्षित बरामदगी में इन पुलिस कर्मियों की मुख्य भूमिका रहीः

विनय सिंह गहरवार नगर निरीक्षकः थाना प्रभारी बुढ़ार (नेतृत्व), महिला उपनिरीक्षकशोभा नामदेव,प्रधान आरक्षकः शंकर प्रजापति,प्रधान आरक्षकः गजेंद्र सिंह एवं थाने का पुलिस बल का सराहनीय योगदान रहा।

ओरियन्ट पेपर मिल्स संस्थान के सेवानिवृत्तों का गरिमामयी कार्यक्रम के मध्य किया सम्मान

बुढ़ार। कागज कारखाना ओरियन्ट पेपर मिल्स में विभिन्न विभागीय पदों पर पदस्थ रहे अधिकारियों, लेखापालों तथा सुपरवाइजरों के वर्तमान एवं पूर्व सेवानिवृत्ति पर स्टार्स ऑफ ओरियन्ट फैमिली ऑल इंडिया फैमिली गेट-टुगेदरर कार्यक्रम आयोजित किया जाकर सेवानिवृतों के सुखमय एवं उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया गया।ओ.पी.एम. संस्थान में पदस्थ रहे अधिकारियों, प्रबंधकों, इंचार्जों, लेखापालों तथा सुपरवाइजरों जिन्होंने अपने दायित्वों का भली-भांति निर्वहन कर लंबे अरसे पूर्व सेवानिवृत्त होकर अपने गृह ग्रामों में प्रस्थित हो गये थे वहीं हाल ही में सेवानिवृत्तों को निमंत्रित किये जाकर संभागीय मुख्यालय में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां सेवानिवृत्त जन एक-दूसरे से आत्मीय रूप से मिले और माल्यार्पण व पुष्पहार से उत्साहयमय वातावरण में उनका स्वागत किया गया।देश के विभिन्न प्रांतों से ओ.पी.एम. संस्थान अमलाई में सेवायें देने वाले स्टार्स ऑफ ओरिएंट फैमिली गेट-टुगेदर सम्मेलन कार्यक्रम में सेवानिवृत्त सपत्नीक पधारे और एक-दूसरे का कुशलक्षेम भी जाना वहीं वाट्सएप के माध्यम से अपनी शुभकामना व्यक्त की।ओ.पी.एम. के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट एवं सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के अध्यक्ष एम.एल. मंत्री की अध्यक्षता में सेवानिवृत्त सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया गया, और ओरियंट पेपर मिल्स के सी.ई.ओ. चन्द्रशेखर काशिकर के मुख्यतिथ्य में वृहद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यतिथि चन्द्रशेखर काशिकर ने कहाकि-मिले दायित्वों का निर्वहन के उपरान्त सेवानिवृत्त निश्चित ही एक प्रक्रिया है, और मेल-मिलाप भी जीवन में अत्यावश्यक है इस तरह का आयोजन निश्चित ही प्रेरणादायी है और आने वाले समय में ओ.पी.एम. अमलाई के गेस्ट हाउस में इस तरह का भव्य आयोजन कराया जायेगा।कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त वाइस प्रेसिडेंट एम.एल. मंत्री ने कार्यक्रम की सराहना करते हुये कहाकि-एक लम्बे समय पूर्व सेवानिवृत्त अधिकारियों व मित्रों को अपने बीच पाकर अत्यन्त प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूँ इस तरह के सम्मेलन कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष आयोजित हो यह कामना करता हूँ क्योंकि-जिन्दगी दोबारा नहीं मिलेगी।फैमिली गेट-टुगेदर कार्यक्रम अवसर पर उपस्थित पुरुष एवं महिलाओं ने मनमोहक गीतों की प्रस्तुति दी, वहीं परदे पर फिल्म प्रदर्शन के साथ चित्रों की क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई तथा आयोजित स्नेह भोज में उपस्थिति सभी सम्मिलित रहे।कार्यक्रम अवसर पर क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को अतिथियों ने पुरस्कृत किया।इस अवसर पर- आर.सी. झा, हरीश श्रीवास्तव, नवीन सिंह, डी.के. सिंह, एम.आर.सी. विजय गुप्ता, श्रीमती काशिकर, श्रीमती विनियाला, जी.एल. गट्टानी सहित विभिन्न प्रमुख जनों को नोएडा (दिल्ली) से एन.के. ठूसू, मुजफ्फरपुर से आर.एस.के. सिन्हा ने व्हाट्सएप पर अपनी शुभकामना सन्देश सम्प्रेषित की। कार्यक्रम का सफल संचालन एस. के.पचीसिया एवं दीपा पचीसिया ने किया।

ग्रीष्मकाल में पेयजल व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

उमरिया। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग ने बताया कि ग्रीष्म काल में पेयजल व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने हेतु हैंडपंप संधारण एवं नल जल योजना संचालन, संधारण हेतु जिला अंतर्गत उपखंड स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका मोबाइल नंबर 9993202477 है। उन्होने बताया कि कंट्रोल रूम के लिए अनुरुध्द सिंह उद्दे हैंडपंप टेक्नीशियन कि सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक के लिए तथा संजय बर्मन स्टोर क्लर्क कि दोपहर 2 बजे से सायं 8 बजे तक के लिए लगाई गई है। अवकाश के दिनों में अनिरुद्ध सिंह उद्दे हैंडपंप टेक्नीशियन को फोन अटेंड कर शिकायत रजिस्टर में संधारित करने हेतु नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त जिला स्तर एवं विकासखंड स्तर पर कार्यरत आर के गुप्ता सहायक यंत्री प्रभारी कंट्रोल रूम मोबाइल नंबर 7974203198, हिमांशु जायसवाल उपयंत्री विकासखंड मानपुर पाली मोबाइल नंबर 8109380365 तथा अजय कुमार शर्मा उपयंत्री विकासखंड करकेली मोबाइल नंबर 9131215330 तथा ठेकेदार मेसर्स इंटरनेशनल स्पेशल स्क्योरिटी फोर्स करकेली, मानपुर पाली मोबाइल नंबर 9752291747 से सीधे संपर्क किया जा सकता है ।

जल गंगा संवर्धन अभियान: युवा टीम का संदेश गांव–गांव में दीवार लेखन के जल संरक्षण के जगा रहे अलख

उमरिया । जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह के मार्गदर्शन पर जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया द्वारा जिले के गांव गांव पहुंचकर युवा टीम के सदस्य जल संरक्षण के प्रति जागरुक कर अलख जगा रहे हैं। इसी क्रम में युवाओं की टोली युवा टीम सदस्यों के द्वारा ग्राम पंचायत गौरइया के दीवारों पर जल संरक्षण जागरूकता नारे लिख व गांव में घूम-घूम कर जागरूकता कार्यक्रम कर रहे हैं। साथ ही दीवार लेखन और वृक्षारोपण के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। हिमांशु तिवारी ने जल संरक्षण एवं संचयन की विशेषता को इंगित करते हुए कहा जल संरक्षण का अर्थ पानी की बर्बादी तथा प्रदूषण को रोकने से है। जल संरक्षण एक अनिवार्य आवश्यकता है।क्योंकि जल ही जीवन है। अतः जल की कमी को पूरा करने के लिए जल संरक्षण अति आवश्यक है।उन्होंने आगे कहा कि जल स्रोतों की हर बूंद को संरक्षित करने तथा जल गंगा संवर्धन अभियान को बढ़ावा देने हेतु आमजनों को इस जागरूकता अभियान के माध्यम से प्रेरित किया जा रहा है।जल का संरक्षण बहुत ही छोटे-छोटे उपायों से किया जा सकता है, जैसे टूथ ब्रश करते समय टूंटी को बंद रखें, नहाते समय बाल्टी का इस्तेमाल, घर व कार की सफाई में पानी का कम से कम उपयोग, प्रत्येक घर में वर्षा जल संचयन टैंकों का निर्माण, गांवों में तालाबों की खुदाई, शौचालयों में पानी की कम से कम खपत तथा इसके साथ ही वृक्षारोपण के लिए युवाओं को अधिक से अधिक जागरूक भी किया जा रहा है। उन्होंने अपील की कि इसमें अधिक से अधिक लोग जुड़ें, ताकि हम प्रकृति के साथ चलें।इस दौरान पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी,साक्षी रैदास,महक सोनी,मुस्कान सोनकर, संध्या कुशवाहा,अभिनव द्विवेदी व सभी उपस्थित रहे।

जनगणना 2027: जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार के निर्देश जारी

उमरिया। आगामी जनगणना 2027 के सफल संचालन को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने जनसामान्य की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रचार-प्रसार के विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जनगणना के प्रथम चरण के तहत मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य मध्यप्रदेश में 1 से 30 मई 2026 के बीच किया जाएगा। इसके पहले स्व-गणना की प्रक्रिया 16 से 30 अप्रैल 2026 तक संपन्न होगी। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जनगणना को सफल बनाने के लिए आम नागरिकों की जागरूकता और सहयोग बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रचार के प्रमुख माध्यम नगर निकायों की कचरा संग्रहण गाडियों पर ऑडियो सिस्टम के जरिए जनगणना संदेशों का प्रसारण, शासकीय कार्यालयों एवं संस्थानों के एलईडी डिस्प्ले और नोटिस बोर्ड पर वीडियो और स्लोगन प्रदर्शित करना, प्रमुख ट्रैफिक चौराहों पर सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली से संदेश प्रसारित करना, स्थानीय केबल नेटवर्क और जिला स्तरीय आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि 16 से 30 अप्रैल के बीच स्व-गणना के लिए विशेष प्रचार प्रसार किया जाए। 1 से 30 मई के दौरान मकानसूचीकरण एवं गणना संबंधी जानकारी का व्यापक प्रसार किया जाए । उन्होंने यह भी कहा कि जनगणना की निर्धारित समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए सभी संबंधित विभाग शीघ्र कार्रवाई करें। साथ ही, किए गए प्रचार-प्रसार की जानकारी, फोटो एवं वीडियो रिकॉर्ड के साथ जिला कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य है कि हर नागरिक तक जनगणना 2027 के संबंध में सही जानकारी पहुंचे और जनगणना कार्य पूरी पारदर्शिता और सफलता के साथ संपन्न हो।

अवैध संरचना पर निगम निगम का चला बुलडोजर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर में अवैध कॉलोनी विकसित करने वालों के खिलाफ नगर निगम ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई का दायरा तेज कर दिया है। इसी कड़ी में राम मनोहर लोहिया वार्ड स्थित अहमद नगर क्षेत्र में सोमवार प्रातः निगम प्रशासन के संयुक्त अमले ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से निर्मित संरचना को जे.सी.बी मशीन के माध्यम से हटाने की कार्यवाही की गई। कालोनी सेल प्रभारी एवं कार्यपालन यंत्री अंशुमान सिंह ने बताया कि अहमद नगर स्थित खसरा नंबर 635/1, 636/1, 637 तथा 638 पर उवैस अहमद, मुजम्मिल कय्यूम एवं अन्य द्वारा बिना वैध अनुमति और स्वीकृति के कॉलोनी विकसित करने के उद्देश्य से अवैध प्लाटिंग का निर्माण कार्य किया जा रहा था। शिकायत और जांच के बाद निगम अमले ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी मशीन के माध्यम से स्थल पर निर्मित अवैध निर्माण की संरचनाओं को हटानें की कार्यवाही की गई। उक्त प्रकरण के संबंध में पूर्व में शिकायत प्राप्त होने पर संबंधितों को बिना अनुमति किसी भी प्रकार का निर्माण/विकास कार्य प्रारंभ नहीं किये जाने का नोटिस प्रदान किया गया था। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नगर में अवैध कॉलोनाइजरों के विरूद्ध कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी रहेगी और किसी भी प्रकार की नियम विरुद्ध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने आम नागरिकों को भी आगाह किया है कि वे प्लॉट खरीदने से पहले संबंधित कॉलोनी की वैधता और निगम की स्वीकृति की जांच अवश्य कर लें।

स्थापना दिवस में भी नेताओं के लिए उलाहना के स्वर हुए मुखर

पाली मंडल में स्वंभू नेता के बड़े बोल

बिरसिंहपुर पाली। जब देश भर में भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस अति सौहार्द्र पूर्ण माहौल में बनाते हुये भाजपा की उपलब्धियों का यश गान, उसकी कार्य पद्धति, सिंधातो को जानने, सुनने और मनन का दौर चल रहा था, तभी पाली मंडल में भी उसके अनुरूप भाजपा स्थापना दिवस का कार्यक्रम आयोजित कर खुशनुमा माहौल में एक दूसरे को हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त कर रहे थे। कार्यक्रम के शुभारंभ में भारत माता, पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करते हुए उपस्थित जन समुदाय के व्दारा श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके पद चिन्हों में चलने के संकल्प को दोहराने का दौर चला। अब बारी थी जन समुदाय को भाजपा के स्थापना काल से लेकर अब तक के संघर्ष, त्याग, तटस्या के योगदान को जन मानस में पहुचाने की, उस मार्ग की पहचान करने की जिस पंगडडियो से चलकर भाजपा राजमार्ग के लाल किले के प्राचीर तक पहुँची है, तो उस पर कायम बनी रहे। इस दिशा में वक्ताओं ने अपनी बात रखी भी। परन्तु एक स्वंयभू नेता ने इस पूरे उत्साह में पानी फेरते हुए अपने ही जनप्रतिनिधियों को आडे हाथों लिया, और अपने उदबोधन में सत्तासीन जनप्रतिनिधियों की बखिया उधेड डाली। आपने कहा कि नगर से लेकर दिल्ली तक हमारी सरकार है, लेकिन समस्याओं का निराकरण करने में हमारे जनप्रतिनिधियों का ध्यान नही है। छोटे- छोटे काम नहीं होते हैं। यद्यपि यह स्वंयभू नेता इस उदबोधन में किसी जनप्रतिनिधि का नाम और पद का साफ तौर पर जिक्र नहीं किया। मालुम होवे की आप कोई जन्म जात भाजपाई तो है नहीं जो की भाजपा की कार्य नीति से भली भाँति परिचित होते, वह तो ऐसे अवसर वादी है जहाँ दम वहा हम। जब कांग्रेस की सरकार रही तब वहा मजे लूटे अब भाजपा में मलाई छान रहे हैं। भाजपा में भी अलग अलग नेताओं से संर्पक बना कर अब तक अपना ऊल्लू सीधा करते रहे हैं। राजनीतिक समीक्षकों का मानना है कि यह ऐसे लोलुप नेता है की सरकार बदलते ही इन्हें चोला बदलने में यह फिर देर नही करेंगे,यद्यपि यह अभी दूर की कौड़ी है फिर अनुभवों के आधार पर कयास तो लगाये ही जा सकते हैं। भाजपा नेता के वक्तव्य ने भाजपा के अन्दर चल रहे तह खाने की अन्तकलह को खोल के रख दिया है।

खबर संक्षेप

मौहरी रेशम प्लांटेशन के प्रभारी पर महिलाओं से महुआ छीनने और धमकी देने का आरोप

अनूपपुर। जनपद जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत मौहरी से एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां रेशम प्लांटेशन में कार्यरत एक कर्मचारी पर गांव की गरीब महिलाओं से महुआ छीनने और मजदूरों को फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगा है। इस संबंध में सरपंच बुद्धन बाई सहित ग्रामीणों ने जनसुनवाई में पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार ग्राम पंचायत मौहरी में करीब 40 वर्षों से रेशम प्लांटेशन संचालित है, जहां स्थानीय मजदूर पीढ़ियों से काम करते आ रहे हैं और महुआ संग्रह भी करते रहे हैं। लेकिन पिछले वर्ष नियुक्त प्रभारी मनराखन पटेल पर आरोप है कि उन्होंने महुआ बीनने वाली महिलाओं कुनीबाई, हनुमतिया प्रजापति, गेंदिया बैगा, देवीकी बैगा और गुलाब से महुआ छीन लिया। ग्रामीणों का कहना है कि जब इस बारे में प्रभारी से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि महुआ बेचकर नलकूप खुदवाने का काम किया जाएगा। वहीं आरोप है कि कुछ महिलाओं का महुआ अन्य लोगों को बेच भी दिया गया। इसके अलावा कर्मचारी पर दो हरे नीम के पेड़ों को कटवाकर बेचने का भी आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि आरोपी कर्मचारी गांव वालों को धमकी देता है कि यदि किसी ने उसके कामों में हस्तक्षेप किया तो वह खुद आग लगाकर उन्हें फर्जी मामलों में फंसा देगा। ग्राम पंचायत मौहरी की सरपंच ने इस पूरे मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कलेक्टर से अपील की है कि गरीब महिलाओं को न्याय दिलाया जाए और लूटे गए महुआ तथा काटे गए पेड़ों के मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए।

भोपाल में आप का शक्ति प्रदर्शन, नए प्रदेश कार्यालय का शुभारंभ, चुनावी रणनीति पर बड़ा मंथन

अनूपपुर। आम आदमी पार्टी की शहडोल इकाई के पदाधिकारियों की भारी संख्या की उपस्थिति के साथ भोपाल मध्यप्रदेश में नवीन प्रदेश कार्यालय का भव्य शुभारंभ और राज्य स्तरीय पदाधिकारी सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसने पार्टी के विस्तार को नई दिशा देने का संकेत दिया है। प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह तोमर के कर कमलों से नए कार्यालय का उद्घाटन हुआ, जिसे संगठन के लिए ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। इस मौके पर प्रदेश भर से नवनियुक्त पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे है। सम्मेलन में शहडोल जोन की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जहां अनूपपुर जिले से प्रदेश सचिव विनोद कुमार सेन अपनी टीम के साथ पहुंचे और प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह तोमर व सह प्रभारी दौलत पवार का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शहडोल जोन प्रभारी राम कृपाल सिंह आर्मो, प्रदेश सचिव लक्ष्मीकांत त्रिपाठी, किसान विंग के संयुक्त सचिव बृजेंद्र पाण्डेय और समय लाल चंद्रवंशी, शिक्षा विंग के अजय शर्मा, ओबीसी विंग के योगेश सोनी, जिला अध्यक्ष संदीप पड़वार और एसटी विंग के जिला अध्यक्ष सुखलाल रावत सहित कई प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए।
बैठक के दौरान संगठन विस्तार को लेकर व्यापक रणनीति पर चर्चा की गई। प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह तोमर और सह प्रभारी दौलत पवार ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी को जिला से लेकर बूथ स्तर तक मजबूत किया जाए। इसके लिए प्रत्येक जोन में सक्रिय टीम तैयार करने और जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूती देने पर जोर दिया गया। इस आयोजन ने स्पष्ट कर दिया कि आम आदमी पार्टी मध्य प्रदेश में अपने संगठन को मजबूत कर आगामी चुनावों में प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी में जुट गई है।

एक एसडीओपी पर तीन अनुविभाग का बोझ

तीन अनुविभाग एक अधिकारी, कैसे संभालेगा जिम्मेदारी

मंत्री के जिले में कानून व्यवस्था हुई लाचार, जनता त्रस्त, जिम्मेदार मौन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर जिले में कानून व्यवस्था की हालत इन दिनों सवालों के घेरे में है, जहां कोतमा, अनूपपुर और पुष्पराजगढ़ जैसे तीन अहम अनुविभागों की जिम्मेदारी एक ही एसडीओपी के भरोसे छोड़ दी गई है। हालात यह हैं कि आम नागरिक अपनी शिकायत लेकर दर-दर भटकने को मजबूर हैं। मंत्री के जिले में ही ऐसी बदहाल व्यवस्था ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं और जनता खुद को असहाय महसूस कर रही है। जिले में पुलिस व्यवस्था की मौजूदा स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। कोतमा, अनूपपुर और पुष्पराजगढ़ जैसे तीन बड़े और संवेदनशील अनुविभागों की जिम्मेदारी एक ही एसडीओपी नवीन तिवारी के कंधों पर डाल दी गई है। यह व्यवस्था न केवल प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि सीधे तौर पर कानून व्यवस्था को भी प्रभावित कर रही है। तीनों क्षेत्रों की भौगोलिक दूरी, अलग-अलग सामाजिक परिस्थितियां और लगातार घटित हो रही घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि एक अधिकारी के लिए इतनी बड़ी जिम्मेदारी संभालना व्यवहारिक रूप से कठिन है। आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार

अलग-अलग स्थानों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ रही है। यदि किसी समय तीनों क्षेत्रों में एक साथ कोई गंभीर घटना घटती है, तो हालात नियंत्रण से बाहर हो सकते हैं। हैरानी की बात यह है कि जिले से मंत्री दिलीप जायसवाल का प्रतिनिधित्व होने के बावजूद भी यह स्थिति बनी हुई है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर जनता अपनी समस्याएं किसके सामने रखे और जिम्मेदारी तय किसकी हो?

तीन अनुविभाग, एक अधिकारी

कोतमा, अनूपपुर और पुष्पराजगढ़ तीनों ही क्षेत्र अपने आप में बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील माने जाते हैं। इन तीनों अनुविभागों की जिम्मेदारी एक ही एसडीओपी को सौंप देना प्रशासनिक समझदारी पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। हर क्षेत्र की अपनी अलग चुनौतियां हैं कहीं अपराध की घटनाएं, कहीं ग्रामीण विवाद, तो कहीं कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जटिल स्थिति। ऐसे में एक अधिकारी का तीनों क्षेत्रों में प्रभावी नियंत्रण बनाए रखना लगभग असंभव सा प्रतीत होता है। इस निर्णय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रशासन या तो स्थिति की गंभीरता को समझ नहीं पा रहा या फिर जानबूझकर नजरअंदाज कर रहा है।

शिकायत लेकर भटक रही जनता, नहीं मिल रहा जिम्मेदार

जिले की जनता इस अव्यवस्था का सबसे बड़ा खामियाजा भुगत रही है। अपनी शिकायत लेकर लोग कभी कोतमा, कभी अनूपपुर तो कभी पुष्पराजगढ़ के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। कई बार उन्हें यह तक नहीं पता होता कि अधिकारी किस स्थान पर उपलब्ध हैं। इस भागदौड़ में समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहे हैं। पीड़ितों को समय पर न्याय नहीं मिल पा रहा, जिससे उनमें निराशा और आक्रोश दोनों बढ़ रहे हैं। यह स्थिति सीधे तौर पर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाती है और आम जनता का विश्वास भी कमजोर कर रही है।

एक साथ घटनाएं हुईं तो कौन संभालेगा हालात?

स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों की सबसे बड़ी चिंता यही है कि यदि तीनों क्षेत्रों में एक साथ कोई गंभीर घटना घटती है तो स्थिति को संभालना बेहद मुश्किल हो जाएगा। एक अधिकारी के लिए एक ही समय में तीन अलग-अलग स्थानों पर पहुंच पाना संभव नहीं है। ऐसे में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है। पहले से ही छोटे-छोटे मामलों में देरी हो रही है, तो बड़ी घटनाओं की स्थिति में क्या होगा, यह सोचकर ही लोग चिंतित हैं। यह व्यवस्था किसी भी समय बड़े संकट को जन्म दे सकती है।

मंत्री के जिले में ही बदहाली, फिर कहां जाए जनता?

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह स्थिति उस जिले की है जहां से सरकार में मंत्री दिलीप जायसवाल का प्रतिनिधित्व है। उनके ही विधानसभा क्षेत्र कोतमा में एसडीओपी की अनुपस्थिति लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। जब मंत्री के अपने क्षेत्र का यह हाल है, तो बाकी क्षेत्रों की स्थिति का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। जनता के मन में यह सवाल उठ रहा है कि जब यहां सुधार नहीं हो पा रहा, तो आखिर वे अपनी समस्याएं लेकर किसके पास जाएं। यह स्थिति सरकार की प्राथमिकताओं पर भी सवाल खड़े करती है।

अलग-अलग एसडीओपी की मांग तेज, जनता ने दी चेतावनी

जिले के नागरिकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने अब खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर करनी शुरू कर दी है। उनका कहना है कि जल्द से जल्द तीनों अनुविभागों में अलग-अलग एसडीओपी की नियुक्ति की जाए। यदि ऐसा नहीं होता है, तो आने वाले समय में आंदोलन की स्थिति बन सकती है। लोगों का साफ कहना है कि यह केवल प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा और न्याय से जुड़ा मामला है। जब तक जिम्मेदार अधिकारी हर क्षेत्र में मौजूद नहीं होंगे, तब तक कानून व्यवस्था मजबूत नहीं हो सकती और जनता की परेशानी भी खत्म नहीं होगी।

अब नियमों से चलेगा निर्माण, लापरवाही पर सीधी कार्यवाही

पूरी तरह अलर्ट मोड में प्रशासन कलेक्टर का सख्त अल्टीमेटम

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। जिले में हालिया निर्माण घटनाओं के बाद प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आ रहा है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि अब बिना अनुमति या नियमों की अनदेखी कर किए गए किसी भी निर्माण कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों को कड़ी निगरानी के निर्देश दिए गए हैं, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना या अव्यवस्था की पुनरावृत्ति रोकी जा सके और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। जिले में भवन निर्माण को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। कलेक्ट्रेट के नर्मदा सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर हर्षल पंचोली ने स्पष्ट कर दिया कि अब जिले में कोई भी निर्माण कार्य निर्धारित बिल्डिंग डेवलपमेंट नियमों से बाहर नहीं होगा। हाल ही में सामने आई निर्माण से जुड़ी घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरक्षा मानकों के साथ किसी भी तरह की लापरवाही को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कलेक्टर ने चेतावनी दी कि बिना अनुमति निर्माण करने वालों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नए निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करें। इसके अलावा नगर पालिका अधिकारियों और उपयंत्रियों को भी गाइडलाइन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का उद्देश्य स्पष्ट है कि जनता की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और नियमों के तहत ही विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।

बिना अनुमति निर्माण पर सख्ती, अब नहीं चलेगी मनमानी

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने साफ कर दिया है कि जिले में बिना अनुमति के किए जा रहे निर्माण कार्यों पर अब सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी नियमों की अनदेखी कर भवन निर्माण किया जाता है, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह निर्देश केवल चेतावनी नहीं, बल्कि प्रशासनिक सख्ती का संकेत है। लंबे समय से मनमाने तरीके से हो रहे निर्माण कार्यों पर अब लगाम कसने की तैयारी है। प्रशासन का यह कदम न केवल अवैध निर्माण को रोकेगा, बल्कि भविष्य में संभावित दुर्घटनाओं को भी टालेगा।

एसडीएम-तहसीलदार को मिली जिम्मेदारी, हर निर्माण पर रहेगी नजर

प्रशासन ने निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एसडीएम और तहसीलदारों को सीधे जिम्मेदारी सौंपी है। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नए निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करें। यह व्यवस्था जमीनी स्तर पर नियंत्रण को मजबूत बनाएगी। अब अधिकारी केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि मौके पर जाकर निरीक्षण भी करेंगे। इससे अवैध निर्माण पर समय रहते रोक लग सकेगी और जिम्मेदारों की जवाबदेही भी तय होगी।

7 दिन में प्रमाणपत्र, नियम तोड़ने वालों की होगी पहचान

कलेक्टर ने विशेष अभियान चलाकर 7 दिनों के भीतर सभी भूमि स्वामियों से बिल्डिंग डेवलपमेंट नियमों के पालन का प्रमाणपत्र लेने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ऐसे निर्माण कार्यों की पहचान करने को कहा गया है, जहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई है। यह अभियान जिले में एक व्यापक जांच की तरह काम करेगा, जिससे अवैध और असुरक्षित निर्माण सामने आएंगे। प्रशासन का उद्देश्य है कि समय रहते खामियों को चिन्हित कर उन्हें सुधारा जाए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की जनहानि की संभावना को रोका जा सके।

जर्जर भवनों पर गिरेगा बुलडोजर, सुरक्षा बनी पहली प्राथमिकता

जिले में मौजूद जर्जर और असुरक्षित भवनों को लेकर भी प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि ऐसे भवनों को चिन्हित कर जल्द से जल्द ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी जोखिम को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। कई बार पुराने और कमजोर ढांचे बड़े हादसों का कारण बनते हैं, इसलिए समय रहते उन्हें हटाना जरूरी है। यह कदम न केवल संभावित दुर्घटनाओं को रोकेगा, बल्कि लोगों में सुरक्षा का भरोसा भी मजबूत करेगा।

सारथी संस्था की पहल बिजुरी स्टेशन पर शुरू हुई निःशुल्क प्याऊ सेवा

यात्रियों को मिलेगी गर्मी से राहत

हरिभूमि न्यूजबिजुरी। भीषण गर्मी के बीच आमजन को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से सारथी पर्यावरण संरक्षण एवं जनकल्याण संस्था द्वारा पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी अनूपपुर जिले के बिजुरी रेलवे स्टेशन परिसर में निःशुल्क प्याऊ सेवा का शुभारंभ किया गया। इस सेवा के माध्यम से प्रतिदिन सैकड़ों यात्रियों और राहगीरों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। गौरतलब है कि गर्मी के मौसम में रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल की समस्या अक्सर सामने आती है। ऐसे में संस्था की यह पहल लोगों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई है। प्याऊ स्थल पर मटकों में ठंडा और स्वच्छ पानी रखा गया है, साथ ही समय-समय पर पानी भरने और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष निखिल कुमार ने बताया कि समाजसेवा के संकल्प के साथ हर वर्ष इस प्रकार की सेवा गतिविधियां

संचालित की जाती हैं। उनका उद्देश्य केवल पानी पिलाना ही नहीं, बल्कि लोगों के बीच सेवा, सहयोग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना भी है। प्याऊ सेवा के संचालन में संस्था के सदस्य सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं और राहगीरों को स्वयं पानी पिलाकर सेवा भाव का परिचय दे रहे हैं। इस दौरान स्थानीय नागरिकों और यात्रियों ने संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे मानवता की मिसाल बताया। संस्था ने समाज के सक्षम लोगों से भी अपील की है कि वे इस पुनीत कार्य में आगे आएं और मटका, पानी, शरबत, लस्सी आदि के रूप में सहयोग प्रदान करें, ताकि यह सेवा पूरे गर्मी के मौसम में निरंतर जारी रह सके। गर्मी में राहत का सहारा बनी सारथी संस्था, "जल सेवा ही सच्ची सेवा" का संदेश दे रही है। इस श्रमदान में उपस्थित मुकेश जैन, मीना पडियार व अन्य स्थानीय लोगों ने जन भागीदारी दी।

छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़ के लोकप्रिय चिकित्सक डॉ. पीके नियोगी की अस्थियां नर्मदा में प्रवाहित

हरिभूमि न्यूजअमरकंटक। छत्तीसगढ़ प्रांत के मनेंद्रगढ़ के लोकप्रिय एवं सहज-सरल स्वभाव के धनी चिकित्सक डॉ. प्रदीप कुमार नियोगी (पीके नियोगी) की अस्थियां पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित आरंडी संगम में पूरे विधि-विधान और भावपूर्ण माहौल में मां नर्मदा नदी में प्रवाहित की गईं। मंगलवार 7 अप्रैल की संध्या को उनके पुत्र प्रमित कुमार नियोगी ने विधिवत पूजन-अर्चन कर श्रद्धापूर्वक अस्थि विसर्जन किया। इस दौरान परिवारजन एवं निकट सहयोगी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आलोक तिवारी तथा डॉ. धर्मेंद्र प्रजापति भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि डॉ. प्रदीप कुमार नियोगी जिन्हें मनेंद्रगढ़ बिलासपुर और रायपुर क्षेत्र में पीके नियोगी के नाम से जाना जाता था, एक ख्यातिलब्ध एवं कुशल सर्जन थे। उनका हाल ही में बिलासपुर में निधन हो गया था। इसके पश्चात उनका अंतिम संस्कार मनेंद्रगढ़ में जनसमूह की उपस्थिति में किया गया। डॉ. नियोगी अपने मिलनसार व्यक्तित्व, सरल स्वभाव और सेवाभावी दृष्टिकोण के कारण क्षेत्र में अत्यंत लोकप्रिय थे। उन्होंने अनूपपुर, कोतमा, शहडोल, पेंड्रा रोड (पेंड्रा) एवं बिलासपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में लंबे समय तक अपनी चिकित्सकीय सेवाएं देकर हजारों मरीजों को लाभान्वित किया। उनके निधन से चिकित्सा जगत एवं क्षेत्र में शोक की लहर है। उनकी सेवाएं और स्नेहिल व्यवहार सदैव स्मरणीय रहेंगे।

हॉस्टल में 'जहर जैसा खाना', कीड़े-मकोड़े परोसने पर भड़की सांसद

मेस संचालक पर कार्यवाही के आदेश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अमरकंटक स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय में छात्राओं को घटिया और कीड़े-मकोड़ों वाला भोजन परोसने का मामला तूल पकड़ गया है। शिकायत मिलते ही शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह ने विश्वविद्यालय प्रबंधन को जमकर फटकार लगाई और मेस संचालक पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। छात्राओं का आरोप है कि खराब भोजन के कारण वे न तो ठीक से खा पा रही हैं और न ही स्वास्थ्य सुरक्षित महसूस कर रही हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक में छात्राओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं ने सांसद हिमाद्री सिंह से शिकायत करते हुए बताया कि मेस में लगातार घटिया और अस्वच्छ भोजन परोसा जा रहा है। हालात इतने खराब हैं कि खाने में कीड़े-मकोड़े तक मिल रहे हैं, जिससे छात्राएं भोजन करने से कतराने लगी हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि जब छात्राओं ने इस पर आपत्ति जताई तो मेस संचालक का रवैया बेहद असंवेदनशील रहा है। उसने साफ कह दिया कि "खाना है तो खाओ, नहीं तो मत खाओ।" इस बयान ने मामले को और गंभीर बना दिया। शिकायत मिलते ही सांसद ने विश्वविद्यालय प्रशासन को सख्त निर्देश दिए कि तत्काल भोजन की गुणवत्ता में सुधार किया जाए और दोषी मेस संचालक के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि लापरवाही जारी रही तो टेंडर निरस्त कर दिया जाएगा। प्रशासन ने भी जल्द सुधार का आश्वासन दिया है, लेकिन सवाल अब भी कायम है कि क्या छात्राओं को अब सुरक्षित भोजन मिल पाएगा।

थाली में खाना के साथ कीड़े-मकोड़े

विश्वविद्यालय के हॉस्टल में रहने वाली

छात्राओं का आरोप है कि उन्हें जो भोजन परोसा जा रहा है, वह बेहद निम्न स्तर का है। कई बार खाने में कीड़े-मकोड़े तक मिल चुके हैं, जिससे उनका भरोसा पूरी तरह टूट गया है। छात्राओं का कहना है कि ऐसी स्थिति में भोजन करना मजबूरी बन गया है, क्योंकि उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। लगातार खराब भोजन मिलने से उनके स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है। इस पूरे मामले ने विश्वविद्यालय की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

खाना है तो खाओ" मेस संचालक का विवादित रवैया

छात्राओं की शिकायतों को नजरअंदाज करते हुए मेस संचालक का रवैया और भी चौंकाने वाला सामने आया। जब छात्राओं ने खराब भोजन की शिकायत की, तो उन्हें दो टूक जवाब दिया गया कि "खाना है तो खाओ, नहीं तो मत खाओ।" यह बयान न केवल असंवेदनशीलता दर्शाता है, बल्कि जिम्मेदारी से बचने की कोशिश भी है। ऐसे व्यवहार ने छात्राओं के आक्रोश को और बढ़ा दिया है। सवाल यह उठता है कि जब जिम्मेदार व्यक्ति ही गंभीर नहीं है, तो सुधार की उम्मीद कैसे की जा सकती है।

सांसद की सख्त फटकार, टेंडर निरस्त करने की चेतावनी

मामला सामने आते ही सांसद हिमाद्री सिंह ने इसे गंभीरता से लिया और विश्वविद्यालय प्रबंधन को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि छात्राओं को शुद्ध और पौष्टिक भोजन मिलना उनका अधिकार है, और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सांसद ने निर्देश दिए कि यदि मेस संचालक द्वारा घटिया भोजन परोसा जा रहा है, तो उसका टेंडर तत्काल निरस्त किया जाए और सख्त कार्रवाई की जाए। यह हस्तक्षेप प्रशासन पर दबाव बनाने वाला साबित हुआ है।

प्रशासन का आश्वासन, लेकिन सवाल बरकरार

सांसद की नाराजगी के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन हरकत में आया है और जल्द ही भोजन व्यवस्था सुधारने का आश्वासन दिया है। साथ ही मेस संचालक के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही करने की बात भी कही गई है। हालांकि, इस तरह की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं, जिससे छात्राओं का भरोसा कमजोर हुआ है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन केवल आश्वासन तक सीमित रहता है या वास्तव में जमीनी स्तर पर बदलाव करता है। छात्राओं की नजरें अब सुधार की वास्तविक कार्यवाही पर टिकी हैं।